ANIL

कुंडली के प्रमुख चिन्ह

राशि		राशि-स्वामी		तत्व	स्वभाव	ग्रहों के गुण धर्म	
♈	मेष	♂	मंगल	अग्नि	चर	*टेढ़ा*	वक्री
♉	वृषभ	♀	शुक्र	पृथ्वी	स्थिर	रेखांकित	शत्रु-घर
♊	मिथुन	☿	बुध	वायु	द्विस्वभाव	**डार्क**	मित्र-घर
♋	कर्क	☾	चंद्र	जल	चर	💣	अस्त
♌	सिंह	☉	रवि	अग्नि	स्थिर	↑	उच्च
♍	कन्या	☿	बुध	पृथ्वी	द्विस्वभाव	↓	नीच
♎	तुला	♀	शुक्र	वायु	चर		
♏	वृश्चिक	♂	मंगल	जल	स्थिर	+	मित्र
♐	धनु	♃	गुरु	अग्नि	द्विस्वभाव	-	शत्रु
♑	मकर	♄	शनि	पृथ्वी	चर	*	सम
♒	कुंभ	♄	शनि	वायु	स्थिर	++	अधिमित्र
♓	मीन	♃	गुरु	जल	द्विस्वभाव	--	अधिशत्रु

विंशोत्तरी, अष्टोत्तरी दशा में दी गई तारीख दशा की समाप्ति तारीख है ।

While all precautions have been taken for the accuracy of the complex calculations, the maker of these horoscopes makes no warranties, either expressed or implied.

Horoscope Print Date	:	14/02/2013 14:29
Calculation mode of Rahu	:	Mean Rahu
Rasi-Lord symbol in charts	:	Off
Print Double dates	:	Yes
Print Mangal Dosh	:	Yes
Print Ardh Kaal Sarp	:	Yes
Print Mandi in Chart	:	No
Print Fortuna in Chart	:	No
Special Effects	:	On
Ayanamsa selected	:	CP
Pagesize in Printer driver	:	Not A4

ANIL

लिंग	पुरुष	अयनांश	23:38:24
जन्म तारीख	11/10/1984	सी.पी. / के.पी.	CP
जन्म दिन	गुरुवार	सूर्योदय	06:31:39
जन्म समय	23:00:00	सूर्यास्त	18:08:59
इष्टकाल (घटी)	41:10:50	दिन मान	11:37:19
स्थान	BEAWAR		
देश	India	Module	BCA(381)
अक्षांश	026:06:N	चंद्र राशि (पाया)	मेष (सोना)
रेखांश	074:18:E	राशि अक्षर	अ ल इ
मध्य रेखांश	+05:30	सूर्य राशी(पाश्चात्य)	तुला
युद्ध / ग्रीष्म समय	00 / 00	तिथि	कृष्ण - 2
स्थानिक समय संस्कार	-0:32:48	नक्षत्र	भरणी (1)
स्थानिक समय	22:27:12	नक्षत्र अक्षर	ली
सांपत्तिक काल	23:49:10	नक्षत्र पाया	सोना
अयन	दक्षिण	योग	वज्र
गोल	दक्षिण	करण	गर
ऋतु	शरद	शक सवंत्	1906
विंशोत्तरी भोग्यदशा	शुक्र : 19-02-24	हिन्दू महिना (का.)	2040 - अश्विन
अष्टोत्तरी भोग्यदशा	राहू : 02-10-18	हिन्दू महिना (चै)	2041 - कार्तिक

While all precautions have been taken for the accuracy of the complex calculations, the maker of these horoscopes makes no warranties, either expressed or implied.

॥ Om Shri Ganeshaya Namah ॥

BEAWAR COMPUTER ACADEMY
(Horoscope Specialist from more than Two Decade)
(1st Online Horoscope making Website of Rajasthan)
(New Year Search "VIVHA" Program, Possible date)

BURAD, Narsingh Street
BEAWAR-305 901 (RAJASTHAN-INDIA)
Website : www.onlinehoro.com
E-mail : burad@onlinehoro.com
+91-01462-254322, 09413041322, 09460042867

ANIL

पंचांग (निरयन)

वर्ग		आरंभ		अंत	
राशी	मीन	08/10/1984	06:29	10/10/1984	19:10
✓	**मेष**	**10/10/1984**	**19:10**	**13/10/1984**	**07:12**
	वृषभ	13/10/1984	07:12	15/10/1984	17:29
तिथी	कृष्ण - 1	10/10/1984	05:29	11/10/1984	07:53
✓	**कृष्ण - 2**	**11/10/1984**	**07:53**	**12/10/1984**	**10:06**
	कृष्ण - 3	12/10/1984	10:06	13/10/1984	12:03
नक्षत्र	अश्विनी	10/10/1984	19:10	11/10/1984	21:59
✓	**भरणी**	**11/10/1984**	**21:59**	**13/10/1984**	**00:35**
	कृत्तिका	13/10/1984	00:35	14/10/1984	02:53
योग	हर्षण	10/10/1984	18:19	11/10/1984	19:06
✓	**वज्र**	**11/10/1984**	**19:06**	**12/10/1984**	**19:42**
	सिद्धि	12/10/1984	19:42	13/10/1984	20:05
करण	तैतिल	11/10/1984	07:53	11/10/1984	21:01
✓	**गर**	**11/10/1984**	**21:01**	**12/10/1984**	**10:06**
	वणिज	12/10/1984	10:06	12/10/1984	23:07

अवकहड़ा चक्र	
योग	**वज्र**
करण	**गर**
वर्ण	**क्षत्रिय**
तत्व	**अग्नि**
वश्य	**चतुष्पाद**
वर्ग	**मृग**
योनी	**गज**
गण	**मनुष्य**
युंजा	**पूर्व**
नाड़ी	**मध्य**

घात चंक्र	
मास	**कार्तिक**
तिथि	**1-6-11**
दिवस	**रविवार**
नक्षत्र	**मघा**
योग	**विष्कंभ**
करण	**बव**
प्रहर	**1**
चंद्र	**मेष**
स्त्रीचंद्र	**मेष**

साढेसाती विचार

छोटी पनोती	21/12/1984	-	17/12/1987
साढेसाती	02/06/1995	-	07/04/2003
छोटी पनोती	06/09/2004	-	16/07/2007
छोटी पनोती	02/11/2014	-	26/10/2017
साढेसाती	29/03/2025	-	31/05/2032
छोटी पनोती	13/07/2034	-	27/08/2036
छोटी पनोती	11/12/2043	-	07/12/2046
साढेसाती	14/05/2054	-	07/03/2062

ANIL

निरयन स्पष्ट ग्रह

ग्रह	राशी	अंश	नक्षत्र		रा स्वा	न स्वा	उ स्वा	अवस्था
लग्न	मिथुन	14:59:12	आर्द्रा	3	बुध	राहू	केतु	-
रवि	कन्या	24:55:59	चित्रा	1	बुध	मंगल	राहू	बाल
चंद्र	मेष	13:50:42	भरणी	1	मंगल	शुक्र	शुक्र	युवा
मंगल	धनु	10:51:48	मूल	4	गुरु	केतु	शनि	कुमार
बुध	कन्या	25:39:31	चित्रा	1	बुध	मंगल	राहू	बाल
गुरु	धनु	12:14:27	मूल	4	गुरु	केतु	बुध	युवा
शुक्र	तुला	25:59:27	विशाखा	2	शुक्र	गुरु	केतु	मृत
शनि	तुला	21:51:33	विशाखा	1	शुक्र	गुरु	शनि	वृद्ध
राहू (व)	वृषभ	05:48:51	कृत्तिका	3	शुक्र	रवि	बुध	मृत
केतु (व)	वृश्चिक	05:48:51	अनुराधा	1	मंगल	शनि	बुध	मृत
हर्षल	वृश्चिक	17:07:28	ज्येष्ठा	1	मंगल	बुध	बुध	युवा
नेप.	धनु	05:17:28	मूल	2	गुरु	केतु	मंगल	बाल
प्लुटो	तुला	07:52:55	स्वाती	1	शुक्र	राहू	राहू	कुमार
मांदी	सिंह	10:16:48	मघा	4	रवि	केतु	शनि	-
भा.-सहंम	मकर	03:53:55	उ.षाढा	3	शनि	रवि	शनि	-

मंगलिक

लग्न कुंडली

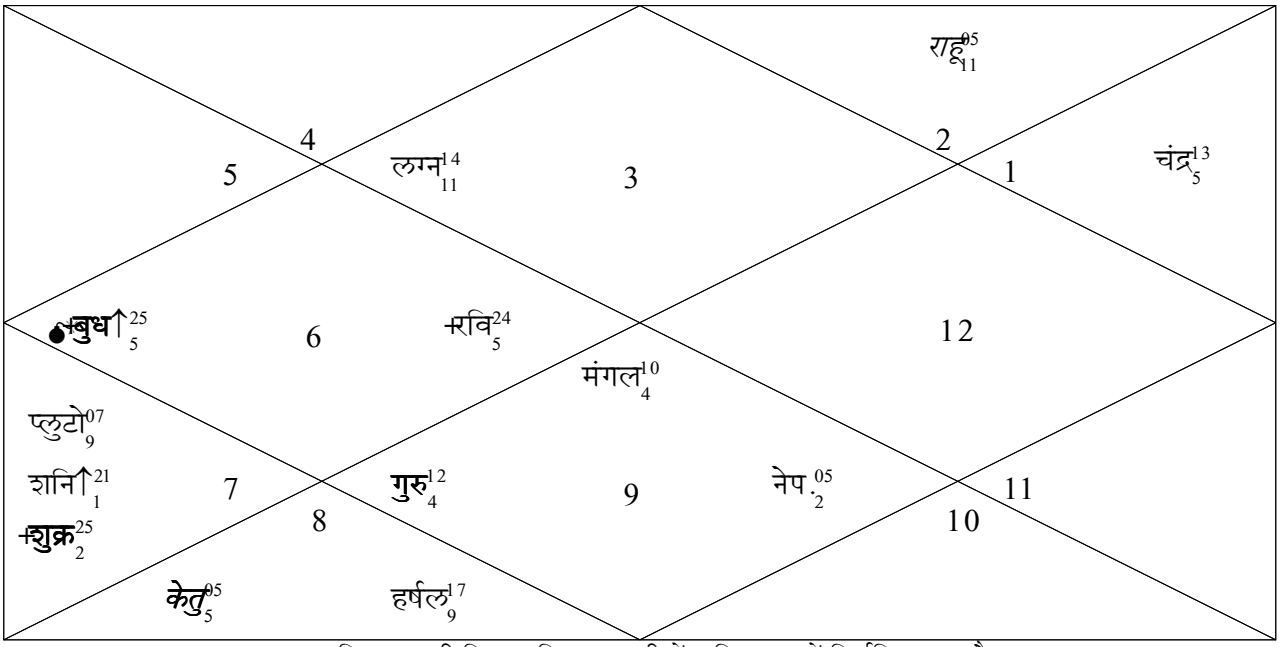

+ चिन्ह ग्रह की दिशा चलित कुण्डली में अग्रिम भाव में निर्धारित करता है

ANIL

ताराचक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	वध	मैत्री	अधि-मैत्री
भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृग	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेशा	मघा
पूर्वा-फा.	उत्तरा-फा.	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल
पू.षाढा	उ.षाढा	श्रवण	धनिष्ठा	शततारका	पू.भाद्र	उ.भाद्र	रेवती	अश्विनी

चंद्र राशि कुंडली

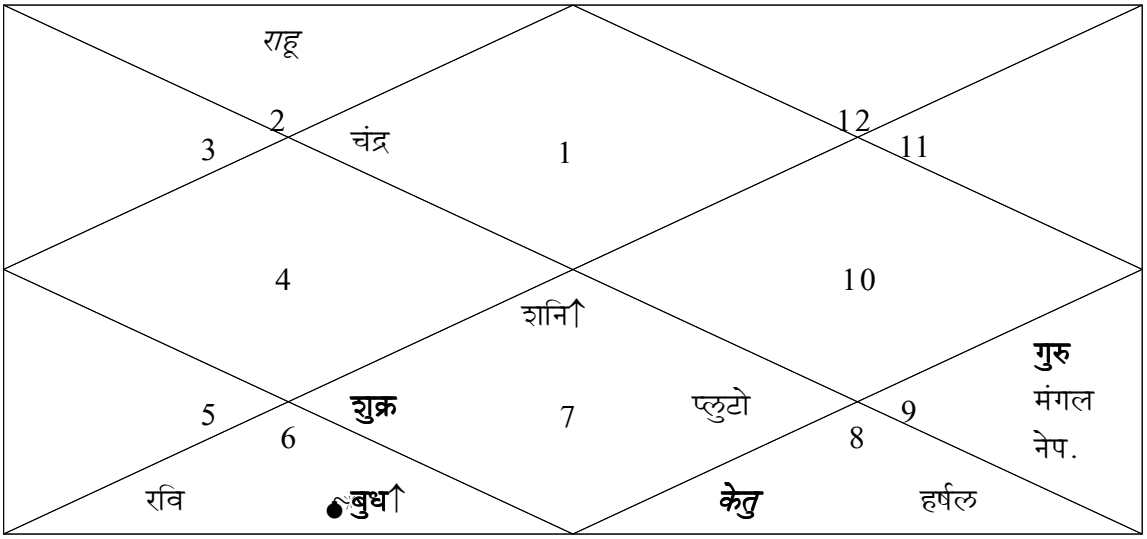

नवमांश कुंडली

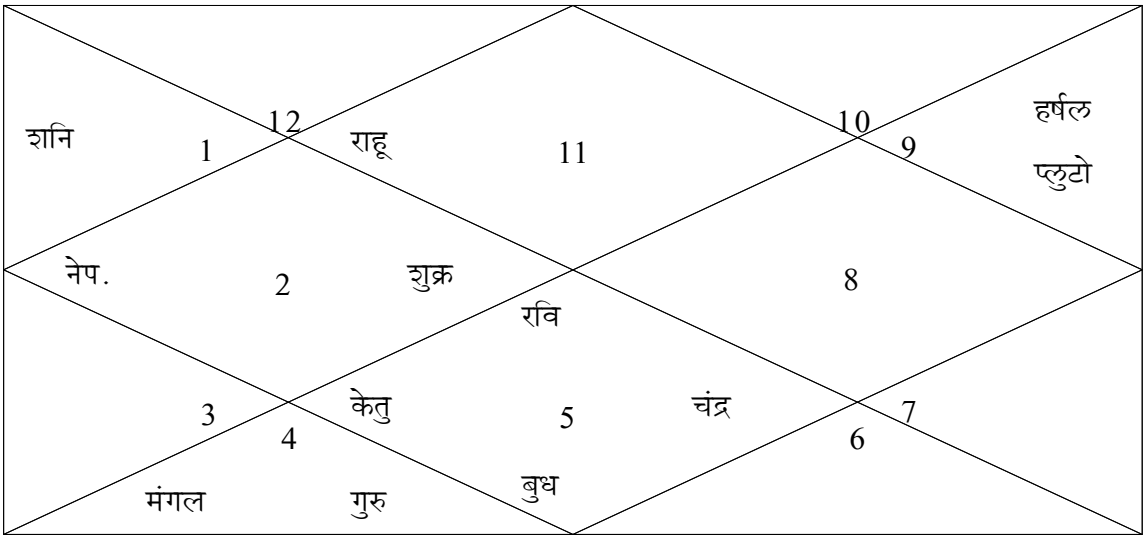

ANIL

ग्रह द्रष्टि विचार

-	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहू	केतु	हर्षल	नेप.	प्लुटो
रवि		161	75	0 conj	77	31	26	139	40	52 sext	70 quin	12
चंद्र			123 trin	161	122 trin	168	172 oppo	21	159	147 quqa	129	174 oppo
मंगल				75	1 conj	44 ssqr	49 ssqr	145	35	23	5 conj	62 sext
बुध					76	30	26	139	40	51	69	12
गुरु						46 ssqr	50	144	36	25	6 conj	64 sext
शुक्र							4 conj	170	9	21	39	18
शनि								166	13	25	43 ssqr	13
राहू									180 oppo	169	151 quqa	152 quqa
केतु										11	29	27
हर्षल											18	39
नेप.												57 sext

ग्रह	गति		शर	क्रांति	अस्त	अवस्था	भाव
रवि	00:59:21	-	00:00:00	-07:16:47	-	-	-
चंद्र	12:01:35	-	-01:48:00	12:18:27	-	-	-
मंगल	00:42:08	शीघ्र	-02:04:34	-25:26:27	-	-	-
बुध	01:42:16	मध्यम	00:56:45	-06:40:46	अस्त	उच्च	स्वग्रही
गुरु	00:07:27	मध्यम	-00:08:31	-23:27:13	-	-	स्वग्रही
शुक्र	01:13:10	मध्यम	-00:33:48	-18:11:11	-	-	स्वग्रही
शनि	00:06:40	शीघ्र	02:04:43	-14:29:39	-	उच्च	-
राहू	-00:03:10	-	00:00:00	00:00:00	-	-	-
केतु	-00:03:10	-	00:00:00	00:00:00	-	-	स्वग्रही

ANIL

विंशोत्तरी महादशा

(भोग्य दशा : शुक्र - 19 साल, 02 महीना, 24 दिन)

	शुक्र	**11/10/1984**	आ
	(20)	**05/01/2004**	यु
s	शुक्र	07/05/1987	2
*	रवि	06/05/1988	3
-	चंद्र	05/01/1990	5
+	मंगल	07/03/1991	6
*	राहू	07/03/1994	9
S*	गुरु	05/11/1996	12
S*	शनि	05/01/2000	15
++	बुध	05/11/2002	18
++	केतु	05/01/2004	19

	रवि	**05/01/2004**	आ
	(6)	**05/01/2010**	यु
	रवि	24/04/2004	19
s*	चंद्र	23/10/2004	19
++	मंगल	28/02/2005	20
s--	राहू	23/01/2006	21
++	गुरु	11/11/2006	22
*	शनि	24/10/2007	22
*	बुध	30/08/2008	23
*	केतु	04/01/2009	24
*	शुक्र	05/01/2010	25

	चंद्र	**05/01/2010**	आ
	(10)	**05/01/2020**	यु
	चंद्र	05/11/2010	26
*	मंगल	06/06/2011	26
*	राहू	05/12/2012	28
*	गुरु	06/04/2014	29
s--	शनि	05/11/2015	31
--	बुध	06/04/2017	32
--	केतु	05/11/2017	33
--	शुक्र	07/07/2019	34
*	रवि	05/01/2020	35

	मंगल	**05/01/2020**	आ
	(7)	**05/01/2027**	यु
	मंगल	02/06/2020	35
--	राहू	21/06/2021	36
*	गुरु	28/05/2022	37
*	शनि	07/07/2023	38
+	बुध	03/07/2024	39
++	केतु	29/11/2024	40
S+	शुक्र	29/01/2026	41
S++	रवि	06/06/2026	41
S-	चंद्र	05/01/2027	42

	राहू	**05/01/2027**	आ
	(18)	**04/01/2045**	यु
S	राहू	17/09/2029	44
S-	गुरु	11/02/2032	47
s*	शनि	18/12/2034	50
*	बुध	06/07/2037	52
--	केतु	25/07/2038	53
*	शुक्र	24/07/2041	56
--	रवि	18/06/2042	57
s*	चंद्र	18/12/2043	59
s--	मंगल	04/01/2045	60

	गुरु	**04/01/2045**	आ
	(16)	**04/01/2061**	यु
	गुरु	23/02/2047	62
+	शनि	05/09/2049	64
+	बुध	12/12/2051	67
+	केतु	17/11/2052	68
S+	शुक्र	19/07/2055	70
S++	रवि	06/05/2056	71
S-	चंद्र	05/09/2057	72
S*	मंगल	12/08/2058	73
S-	राहू	04/01/2061	76

	शनि	**04/01/2061**	आ
	(19)	**05/01/2080**	यु
s	शनि	08/01/2064	79
+	बुध	17/09/2066	81
*	केतु	27/10/2067	82
*	शुक्र	27/12/2070	86
*	रवि	09/12/2071	87
-	चंद्र	09/07/2073	88
s+	मंगल	18/08/2074	89
*	राहू	24/06/2077	92
+	गुरु	05/01/2080	95

	बुध	**05/01/2080**	आ
	(17)	**04/01/2097**	यु
	बुध	03/06/2082	97
+	केतु	31/05/2083	98
S++	शुक्र	31/03/2086	101
S-	रवि	04/02/2087	102
S*	चंद्र	06/07/2088	103
S*	मंगल	03/07/2089	104
*	राहू	20/01/2092	107
s*	गुरु	27/04/2094	109
++	शनि	04/01/2097	112

	केतु	**04/01/2097**	आ
	(7)	**05/01/2104**	यु
	केतु	03/06/2097	112
++	शुक्र	03/08/2098	113
*	रवि	09/12/2098	114
--	चंद्र	10/07/2099	114
++	मंगल	06/12/2099	115
--	राहू	23/12/2100	116
+	गुरु	29/11/2101	117
s*	शनि	08/01/2103	118
s+	बुध	05/01/2104	119

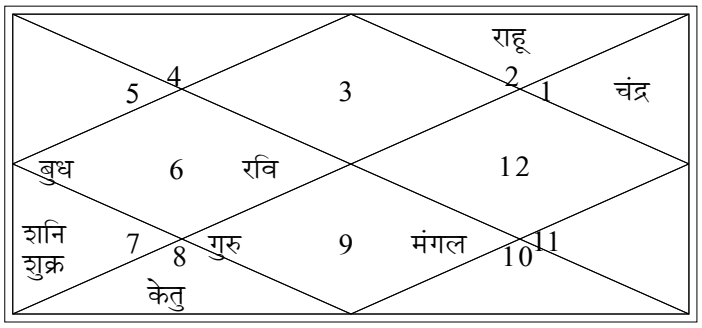

Note:

- Dates specified above are ending dates.
- The sign besides date indicates the following :

S = Sadesati s = Small Panoti
+ = Friend - = Enemy
* = Neutral -- = Bitter Enemy
++ = Intimate

ANIL

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर दशा

महादशा - शुक्र : 11/10/1984 - 05/01/2004

	शुक्र	**07/05/1987**	*	**रवि**	**06/05/1988**	-	**चंद्र**	**05/01/1990**	+	**मंगल**	**07/03/1991**	*	**राहू**	**07/03/1994**
-	-	-	s	रवि	25/05/1987		चंद्र	26/06/1988		मंगल	30/01/1990		राहू	18/08/1991
-	-	-	s*	चंद्र	24/06/1987	*	मंगल	31/07/1988	--	राहू	03/04/1990	-	गुरु	11/01/1992
s-	चंद्र	04/01/1985	s++	मंगल	16/07/1987	*	राहू	30/10/1988	*	गुरु	30/05/1990	*	शनि	03/07/1992
s+	मंगल	16/03/1985	s--	राहू	08/09/1987	*	गुरु	20/01/1989	*	शनि	06/08/1990	*	बुध	05/12/1992
*	राहू	15/09/1985	s++	गुरु	27/10/1987	--	शनि	26/04/1989	+	बुध	05/10/1990	--	केतु	07/02/1993
s*	गुरु	24/02/1986	*	शनि	24/12/1987	--	बुध	21/07/1989	++	केतु	30/10/1990	*	शुक्र	09/08/1993
s*	शनि	05/09/1986	*	बुध	14/02/1988	--	केतु	26/08/1989	+	शुक्र	09/01/1991	--	रवि	02/10/1993
s++	बुध	25/02/1987	*	केतु	06/03/1988	--	शुक्र	05/12/1989	++	रवि	30/01/1991	*	चंद्र	02/01/1994
s++	केतु	07/05/1987	*	शुक्र	06/05/1988	*	रवि	05/01/1990	-	चंद्र	07/03/1991	--	मंगल	07/03/1994

*	**गुरु**	**05/11/1996**	*	**शनि**	**05/01/2000**	++	**बुध**	**05/11/2002**	++	**केतु**	**05/01/2004**
	गुरु	14/07/1994	S	शनि	07/05/1997	S	बुध	31/05/2000		केतु	30/11/2002
+	शनि	16/12/1994	S+	बुध	18/10/1997	S+	केतु	30/07/2000	S++	शुक्र	09/02/2003
+	बुध	03/05/1995	S*	केतु	24/12/1997	S++	शुक्र	19/01/2001	S*	रवि	02/03/2003
S+	केतु	28/06/1995	S*	शुक्र	05/07/1998	S-	रवि	11/03/2001	S--	चंद्र	07/04/2003
+	शुक्र	08/12/1995	S*	रवि	01/09/1998	S*	चंद्र	06/06/2001	++	मंगल	02/05/2003
++	रवि	25/01/1996	S-	चंद्र	06/12/1998	S*	मंगल	05/08/2001	--	राहू	05/07/2003
S-	चंद्र	16/04/1996	S+	मंगल	11/02/1999	S*	राहू	07/01/2002	+	गुरु	30/08/2003
S*	मंगल	11/06/1996	S*	राहू	04/08/1999	S*	गुरु	25/05/2002	*	शनि	06/11/2003
S-	राहू	05/11/1996	S+	गुरु	05/01/2000	++	शनि	05/11/2002	+	बुध	05/01/2004

महादशा - रवि : 05/01/2004 - 05/01/2010

	रवि	**24/04/2004**	*	**चंद्र**	**23/10/2004**	++	**मंगल**	**28/02/2005**	--	**राहू**	**23/01/2006**	++	**गुरु**	**11/11/2006**
	रवि	11/01/2004		चंद्र	09/05/2004	s	मंगल	31/10/2004		राहू	19/04/2005	s	गुरु	03/03/2006
*	चंद्र	20/01/2004	*	मंगल	20/05/2004	s--	राहू	19/11/2004	s-	गुरु	01/06/2005	s+	शनि	18/04/2006
++	मंगल	26/01/2004	*	राहू	16/06/2004	s*	गुरु	06/12/2004	s*	शनि	23/07/2005	s+	बुध	30/05/2006
--	राहू	12/02/2004	*	गुरु	10/07/2004	s*	शनि	26/12/2004	s*	बुध	08/09/2005	s+	केतु	16/06/2006
++	गुरु	26/02/2004	--	शनि	08/08/2004	s+	बुध	13/01/2005	s--	केतु	27/09/2005	s+	शुक्र	03/08/2006
*	शनि	15/03/2004	--	बुध	03/09/2004	++	केतु	21/01/2005	s*	शुक्र	21/11/2005	s++	रवि	18/08/2006
*	बुध	30/03/2004	s--	केतु	14/09/2004	+	शुक्र	11/02/2005	s--	रवि	07/12/2005	s-	चंद्र	11/09/2006
*	केतु	05/04/2004	s--	शुक्र	14/10/2004	++	रवि	18/02/2005	s*	चंद्र	04/01/2006	s*	मंगल	28/09/2006
*	शुक्र	24/04/2004	s*	रवि	23/10/2004	-	चंद्र	28/02/2005	s--	मंगल	23/01/2006	-	राहू	11/11/2006

*	**शनि**	**24/10/2007**	*	**बुध**	**30/08/2008**	*	**केतु**	**04/01/2009**	*	**शुक्र**	**05/01/2010**
	शनि	05/01/2007		बुध	07/12/2007		केतु	06/09/2008		शुक्र	06/03/2009
s+	बुध	23/02/2007	+	केतु	25/12/2007	++	शुक्र	27/09/2008	*	रवि	25/03/2009
s*	केतु	15/03/2007	++	शुक्र	15/02/2008	*	रवि	04/10/2008	-	चंद्र	24/04/2009
s*	शुक्र	12/05/2007	-	रवि	01/03/2008	--	चंद्र	14/10/2008	+	मंगल	15/05/2009
s*	रवि	30/05/2007	*	चंद्र	27/03/2008	++	मंगल	22/10/2008	*	राहू	09/07/2009
s-	चंद्र	28/06/2007	*	मंगल	14/04/2008	--	राहू	10/11/2008	*	गुरु	27/08/2009
+	मंगल	18/07/2007	*	राहू	31/05/2008	+	गुरु	27/11/2008	*	शनि	24/10/2009
*	राहू	08/09/2007	*	गुरु	11/07/2008	*	शनि	17/12/2008	++	बुध	14/12/2009
+	गुरु	24/10/2007	++	शनि	30/08/2008	+	बुध	04/01/2009	++	केतु	05/01/2010

Note : Dates specified above are ending dates, S : Sadesati, s : Small Panoti
+ : Friend, - : Enemy, * : Neutral, ++ : Intimate, -- : Bitter Enemy

ANIL

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर दशा

महादशा - चंद्र : 05/01/2010 - 05/01/2020

	चंद्र	**05/11/2010**	*	**मंगल**	**06/06/2011**	*	**राहू**	**05/12/2012**	*	**गुरु**	**06/04/2014**	--	**शनि**	**05/11/2015**
	चंद्र	30/01/2010		मंगल	17/11/2010		राहू	27/08/2011		गुरु	08/02/2013		शनि	07/07/2014
*	मंगल	17/02/2010	--	राहू	19/12/2010	-	गुरु	08/11/2011	+	शनि	26/04/2013	+	बुध	26/09/2014
*	राहू	03/04/2010	*	गुरु	17/01/2011	*	शनि	03/02/2012	+	बुध	04/07/2013	*	केतु	30/10/2014
*	गुरु	14/05/2010	*	शनि	20/02/2011	*	बुध	21/04/2012	+	केतु	01/08/2013	s*	शुक्र	04/02/2015
--	शनि	01/07/2010	+	बुध	22/03/2011	--	केतु	23/05/2012	+	शुक्र	22/10/2013	s*	रवि	04/03/2015
--	बुध	13/08/2010	++	केतु	03/04/2011	*	शुक्र	22/08/2012	++	रवि	15/11/2013	s-	चंद्र	22/04/2015
--	केतु	31/08/2010	+	शुक्र	09/05/2011	--	रवि	18/09/2012	-	चंद्र	26/12/2013	s+	मंगल	25/05/2015
--	शुक्र	21/10/2010	++	रवि	19/05/2011	*	चंद्र	03/11/2012	*	मंगल	23/01/2014	s*	राहू	20/08/2015
*	रवि	05/11/2010	-	चंद्र	06/06/2011	--	मंगल	05/12/2012	-	राहू	06/04/2014	s+	गुरु	05/11/2015

--	**बुध**	**06/04/2017**	**--**	**केतु**	**05/11/2017**	**--**	**शुक्र**	**07/07/2019**	*	**रवि**	**05/01/2020**
s	बुध	18/01/2016		केतु	18/04/2017		शुक्र	14/02/2018		रवि	16/07/2019
s+	केतु	17/02/2016	++	शुक्र	24/05/2017	*	रवि	17/03/2018	*	चंद्र	31/07/2019
s++	शुक्र	13/05/2016	*	रवि	03/06/2017	-	चंद्र	06/05/2018	++	मंगल	11/08/2019
s-	रवि	08/06/2016	s--	चंद्र	21/06/2017	+	मंगल	11/06/2018	--	राहू	07/09/2019
s*	चंद्र	21/07/2016	s++	मंगल	03/07/2017	*	राहू	10/09/2018	++	गुरु	01/10/2019
s*	मंगल	20/08/2016	s--	राहू	04/08/2017	*	गुरु	30/11/2018	*	शनि	30/10/2019
s*	राहू	06/11/2016	s+	गुरु	02/09/2017	*	शनि	07/03/2019	*	बुध	25/11/2019
s*	गुरु	14/01/2017	s*	शनि	06/10/2017	++	बुध	01/06/2019	*	केतु	06/12/2019
++	शनि	06/04/2017	+	बुध	05/11/2017	++	केतु	07/07/2019	*	शुक्र	05/01/2020

महादशा - मंगल : 05/01/2020 - 05/01/2027

	मंगल	**02/06/2020**	**--**	**राहू**	**21/06/2021**	*	**गुरु**	**28/05/2022**	*	**शनि**	**07/07/2023**	+	**बुध**	**03/07/2024**
	मंगल	14/01/2020		राहू	30/07/2020		गुरु	05/08/2021		शनि	31/07/2022		बुध	27/08/2023
--	राहू	05/02/2020	-	गुरु	19/09/2020	+	शनि	28/09/2021	+	बुध	26/09/2022	+	केतु	17/09/2023
*	गुरु	25/02/2020	*	शनि	19/11/2020	+	बुध	16/11/2021	*	केतु	20/10/2022	++	शुक्र	16/11/2023
*	शनि	20/03/2020	*	बुध	12/01/2021	+	केतु	05/12/2021	*	शुक्र	26/12/2022	-	रवि	04/12/2023
+	बुध	10/04/2020	--	केतु	03/02/2021	+	शुक्र	31/01/2022	*	रवि	15/01/2023	*	चंद्र	04/01/2024
++	केतु	19/04/2020	*	शुक्र	08/04/2021	++	रवि	17/02/2022	-	चंद्र	18/02/2023	*	मंगल	25/01/2024
+	शुक्र	13/05/2020	--	रवि	27/04/2021	-	चंद्र	18/03/2022	+	मंगल	14/03/2023	*	राहू	19/03/2024
++	रवि	21/05/2020	*	चंद्र	29/05/2021	*	मंगल	07/04/2022	*	राहू	14/05/2023	*	गुरु	06/05/2024
-	चंद्र	02/06/2020	--	मंगल	21/06/2021	-	राहू	28/05/2022	+	गुरु	07/07/2023	++	शनि	03/07/2024

++	**केतु**	**29/11/2024**	**+**	**शुक्र**	**29/01/2026**	**++**	**रवि**	**06/06/2026**	**-**	**चंद्र**	**05/01/2027**
	केतु	11/07/2024		शुक्र	08/02/2025	S	रवि	04/02/2026	S	चंद्र	24/06/2026
++	शुक्र	05/08/2024	*	रवि	01/03/2025	S*	चंद्र	15/02/2026	S*	मंगल	06/07/2026
*	रवि	13/08/2024	S-	चंद्र	06/04/2025	S++	मंगल	23/02/2026	S*	राहू	07/08/2026
--	चंद्र	25/08/2024	S+	मंगल	01/05/2025	S--	राहू	14/03/2026	S*	गुरु	04/09/2026
++	मंगल	03/09/2024	S*	राहू	03/07/2025	S++	गुरु	31/03/2026	S--	शनि	08/10/2026
--	राहू	25/09/2024	S*	गुरु	29/08/2025	S*	शनि	20/04/2026	S--	बुध	07/11/2026
+	गुरु	15/10/2024	S*	शनि	05/11/2025	S*	बुध	08/05/2026	S--	केतु	20/11/2026
*	शनि	08/11/2024	S++	बुध	04/01/2026	S*	केतु	16/05/2026	S--	शुक्र	25/12/2026
+	बुध	29/11/2024	S++	केतु	29/01/2026	S*	शुक्र	06/06/2026	S*	रवि	05/01/2027

Note : Dates specified above are ending dates, S : Sadesati, s : Small Panoti
+ : Friend, - : Enemy, * : Neutral, ++ : Intimate, -- : Bitter Enemy

ANIL

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर दशा

महादशा - राहू : 05/01/2027 - 04/01/2045

	राहू	**17/09/2029**	**-**	**गुरु**	**11/02/2032**	*	**शनि**	**18/12/2034**	*	**बुध**	**06/07/2037**	--	**केतु**	**25/07/2038**
S	राहू	02/06/2027	S	गुरु	12/01/2030		शनि	25/07/2032	s	बुध	29/04/2035		केतु	28/07/2037
S-	गुरु	11/10/2027	S+	शनि	31/05/2030	+	बुध	19/12/2032	s+	केतु	22/06/2035	++	शुक्र	30/09/2037
S*	शनि	15/03/2028	S+	बुध	02/10/2030	*	केतु	18/02/2033	s++	शुक्र	24/11/2035	*	रवि	19/10/2037
S*	बुध	02/08/2028	S+	केतु	22/11/2030	*	शुक्र	10/08/2033	s-	रवि	10/01/2036	--	चंद्र	20/11/2037
S--	केतु	29/09/2028	S+	शुक्र	17/04/2031	*	रवि	01/10/2033	s*	चंद्र	27/03/2036	++	मंगल	13/12/2037
S*	शुक्र	12/03/2029	S++	रवि	31/05/2031	-	चंद्र	27/12/2033	s*	मंगल	21/05/2036	--	राहू	08/02/2038
S--	रवि	30/04/2029	S-	चंद्र	12/08/2031	+	मंगल	26/02/2034	*	राहू	07/10/2036	+	गुरु	31/03/2038
S*	चंद्र	22/07/2029	S*	मंगल	02/10/2031	s*	राहू	01/08/2034	*	गुरु	09/02/2037	*	शनि	31/05/2038
S--	मंगल	17/09/2029	S-	राहू	11/02/2032	s+	गुरु	18/12/2034	++	शनि	06/07/2037	+	बुध	25/07/2038

*	**शुक्र**	**24/07/2041**	**--**	**रवि**	**18/06/2042**	*	**चंद्र**	**18/12/2043**	**--**	**मंगल**	**04/01/2045**
	शुक्र	23/01/2039		रवि	10/08/2041		चंद्र	03/08/2042	s	मंगल	09/01/2044
*	रवि	19/03/2039	*	चंद्र	06/09/2041	*	मंगल	04/09/2042	s--	राहू	07/03/2044
-	चंद्र	18/06/2039	++	मंगल	25/09/2041	*	राहू	25/11/2042	s*	गुरु	27/04/2044
+	मंगल	21/08/2039	--	राहू	14/11/2041	*	गुरु	06/02/2043	*	शनि	27/06/2044
*	राहू	02/02/2040	++	गुरु	27/12/2041	--	शनि	04/05/2043	+	बुध	20/08/2044
*	गुरु	27/06/2040	*	शनि	17/02/2042	--	बुध	20/07/2043	s++	केतु	11/09/2044
*	शनि	17/12/2040	*	बुध	05/04/2042	--	केतु	21/08/2043	s+	शुक्र	14/11/2044
++	बुध	21/05/2041	*	केतु	24/04/2042	--	शुक्र	21/11/2043	s++	रवि	03/12/2044
++	केतु	24/07/2041	*	शुक्र	18/06/2042	s*	रवि	18/12/2043	s-	चंद्र	04/01/2045

महादशा - गुरु : 04/01/2045 - 04/01/2061

	गुरु	**23/02/2047**	**+**	**शनि**	**05/09/2049**	**+**	**बुध**	**12/12/2051**	**+**	**केतु**	**17/11/2052**	**+**	**शुक्र**	**19/07/2055**
s	गुरु	18/04/2045		शनि	19/07/2047		बुध	31/12/2049		केतु	01/01/2052		शुक्र	28/04/2053
s+	शनि	20/08/2045	+	बुध	27/11/2047	+	केतु	17/02/2050	++	शुक्र	27/02/2052	*	रवि	16/06/2053
s+	बुध	08/12/2045	*	केतु	20/01/2048	++	शुक्र	05/07/2050	*	रवि	15/03/2052	-	चंद्र	05/09/2053
s+	केतु	23/01/2046	*	शुक्र	22/06/2048	-	रवि	16/08/2050	--	चंद्र	12/04/2052	+	मंगल	01/11/2053
s+	शुक्र	01/06/2046	*	रवि	08/08/2048	*	चंद्र	24/10/2050	++	मंगल	02/05/2052	*	राहू	27/03/2054
s++	रवि	10/07/2046	-	चंद्र	24/10/2048	*	मंगल	11/12/2050	--	राहू	22/06/2052	S*	गुरु	04/08/2054
s-	चंद्र	13/09/2046	+	मंगल	17/12/2048	*	राहू	14/04/2051	+	गुरु	06/08/2052	*	शनि	05/01/2055
s*	मंगल	29/10/2046	*	राहू	05/05/2049	*	गुरु	03/08/2051	*	शनि	29/09/2052	S++	बुध	23/05/2055
-	राहू	23/02/2047	+	गुरु	05/09/2049	++	शनि	12/12/2051	+	बुध	17/11/2052	S++	केतु	19/07/2055

++	**रवि**	**06/05/2056**	**-**	**चंद्र**	**05/09/2057**	*	**मंगल**	**12/08/2058**	**-**	**राहू**	**04/01/2061**
S	रवि	02/08/2055	S	चंद्र	15/06/2056	S	मंगल	25/09/2057	S	राहू	21/12/2058
S*	चंद्र	27/08/2055	S*	मंगल	14/07/2056	S--	राहू	15/11/2057	S-	गुरु	17/04/2059
S++	मंगल	13/09/2055	S*	राहू	25/09/2056	S*	गुरु	30/12/2057	S*	शनि	03/09/2059
S--	राहू	27/10/2055	S*	गुरु	29/11/2056	S*	शनि	22/02/2058	S*	बुध	05/01/2060
S++	गुरु	05/12/2055	S--	शनि	14/02/2057	S+	बुध	12/04/2058	S--	केतु	25/02/2060
S*	शनि	20/01/2056	S--	बुध	24/04/2057	S++	केतु	02/05/2058	S*	शुक्र	20/07/2060
S*	बुध	01/03/2056	S--	केतु	22/05/2057	S+	शुक्र	27/06/2058	S--	रवि	02/09/2060
S*	केतु	18/03/2056	S--	शुक्र	12/08/2057	S++	रवि	14/07/2058	S*	चंद्र	14/11/2060
S*	शुक्र	06/05/2056	S*	रवि	05/09/2057	S-	चंद्र	12/08/2058	S--	मंगल	04/01/2061

Note : Dates specified above are ending dates, S : Sadesati, s : Small Panoti
+ : Friend, - : Enemy, * : Neutral, ++ : Intimate, -- : Bitter Enemy

ANIL

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर दशा

महादशा - शनि : 04/01/2061 - 05/01/2080

	शनि	**08/01/2064**	**+**	**बुध**	**17/09/2066**	*****	**केतु**	**27/10/2067**	*****	**शुक्र**	**27/12/2070**	*****	**रवि**	**09/12/2071**
S	शनि	27/06/2061	s	बुध	26/05/2064		केतु	11/10/2066		शुक्र	07/05/2068		रवि	13/01/2071
+	बुध	30/11/2061	s+	केतु	23/07/2064	++	शुक्र	17/12/2066	*	रवि	04/07/2068	*	चंद्र	11/02/2071
*	केतु	02/02/2062	s++	शुक्र	03/01/2065	*	रवि	07/01/2067	-	चंद्र	08/10/2068	++	मंगल	03/03/2071
*	शुक्र	04/08/2062	s-	रवि	21/02/2065	--	चंद्र	09/02/2067	+	मंगल	15/12/2068	--	राहू	24/04/2071
*	रवि	28/09/2062	s*	चंद्र	14/05/2065	++	मंगल	05/03/2067	*	राहू	06/06/2069	++	गुरु	10/06/2071
-	चंद्र	29/12/2062	s*	मंगल	10/07/2065	--	राहू	05/05/2067	*	गुरु	07/11/2069	*	शनि	04/08/2071
+	मंगल	03/03/2063	*	राहू	05/12/2065	+	गुरु	28/06/2067	*	शनि	09/05/2070	*	बुध	22/09/2071
*	राहू	15/08/2063	s*	गुरु	15/04/2066	*	शनि	31/08/2067	++	बुध	20/10/2070	*	केतु	12/10/2071
s+	गुरु	08/01/2064	++	शनि	17/09/2066	+	बुध	27/10/2067	++	केतु	27/12/2070	*	शुक्र	09/12/2071

-	**चंद्र**	**09/07/2073**	**+**	**मंगल**	**18/08/2074**	*****	**राहू**	**24/06/2077**	**+**	**गुरु**	**05/01/2080**
	चंद्र	26/01/2072		मंगल	02/08/2073	s	राहू	21/01/2075		गुरु	25/10/2077
*	मंगल	29/02/2072	--	राहू	01/10/2073	s-	गुरु	09/06/2075	+	शनि	21/03/2078
*	राहू	25/05/2072	s*	गुरु	24/11/2073	s*	शनि	21/11/2075	+	बुध	30/07/2078
*	गुरु	11/08/2072	s*	शनि	27/01/2074	*	बुध	16/04/2076	+	केतु	22/09/2078
--	शनि	10/11/2072	s+	बुध	26/03/2074	--	केतु	16/06/2076	+	शुक्र	23/02/2079
--	बुध	31/01/2073	s++	केतु	18/04/2074	*	शुक्र	06/12/2076	++	रवि	10/04/2079
s--	केतु	06/03/2073	s+	शुक्र	25/06/2074	--	रवि	27/01/2077	-	चंद्र	26/06/2079
--	शुक्र	10/06/2073	s++	रवि	15/07/2074	*	चंद्र	24/04/2077	*	मंगल	19/08/2079
*	रवि	09/07/2073	s-	चंद्र	18/08/2074	--	मंगल	24/06/2077	-	राहू	05/01/2080

महादशा - बुध : 05/01/2080 - 04/01/2097

	बुध	**03/06/2082**	**+**	**केतु**	**31/05/2083**	**++**	**शुक्र**	**31/03/2086**	**-**	**रवि**	**04/02/2087**	*****	**चंद्र**	**06/07/2088**
	बुध	09/05/2080		केतु	24/06/2082		शुक्र	19/11/2083	S	रवि	15/04/2086	S	चंद्र	19/03/2087
+	केतु	29/06/2080	++	शुक्र	23/08/2082	*	रवि	10/01/2084	S*	चंद्र	11/05/2086	S*	मंगल	19/04/2087
++	शुक्र	23/11/2080	*	रवि	10/09/2082	S-	चंद्र	05/04/2084	S++	मंगल	29/05/2086	S*	राहू	05/07/2087
-	रवि	06/01/2081	--	चंद्र	11/10/2082	S+	मंगल	05/06/2084	S--	राहू	15/07/2086	S*	गुरु	12/09/2087
*	चंद्र	20/03/2081	++	मंगल	01/11/2082	S*	राहू	07/11/2084	S++	गुरु	25/08/2086	S--	शनि	03/12/2087
*	मंगल	10/05/2081	--	राहू	25/12/2082	S*	गुरु	25/03/2085	S*	शनि	14/10/2086	S--	बुध	14/02/2088
*	राहू	19/09/2081	+	गुरु	11/02/2083	S*	शनि	05/09/2085	S*	बुध	26/11/2086	S--	केतु	16/03/2088
*	गुरु	15/01/2082	*	शनि	10/04/2083	S++	बुध	30/01/2086	S*	केतु	15/12/2086	S--	शुक्र	10/06/2088
++	शनि	03/06/2082	+	बुध	31/05/2083	S++	केतु	31/03/2086	S*	शुक्र	04/02/2087	S*	रवि	06/07/2088

*****	**मंगल**	**03/07/2089**	*****	**राहू**	**20/01/2092**	*****	**गुरु**	**27/04/2094**	**++**	**शनि**	**04/01/2097**
S	मंगल	27/07/2088	S	राहू	20/11/2089		गुरु	10/05/2092	s	शनि	30/09/2094
S--	राहू	19/09/2088	S-	गुरु	24/03/2090	+	शनि	18/09/2092	s+	बुध	16/02/2095
S*	गुरु	07/11/2088	S*	शनि	18/08/2090	+	बुध	13/01/2093	s*	केतु	15/04/2095
S*	शनि	03/01/2089	S*	बुध	28/12/2090	+	केतु	02/03/2093	*	शुक्र	25/09/2095
S+	बुध	23/02/2089	S--	केतु	21/02/2091	s+	शुक्र	18/07/2093	*	रवि	14/11/2095
S++	केतु	16/03/2089	*	शुक्र	26/07/2091	s++	रवि	29/08/2093	-	चंद्र	04/02/2096
S+	शुक्र	16/05/2089	--	रवि	10/09/2091	s-	चंद्र	06/11/2093	+	मंगल	01/04/2096
S++	रवि	03/06/2089	*	चंद्र	27/11/2091	s*	मंगल	24/12/2093	*	राहू	26/08/2096
S-	चंद्र	03/07/2089	--	मंगल	20/01/2092	s-	राहू	27/04/2094	+	गुरु	04/01/2097

Note : Dates specified above are ending dates, S : Sadesati, s : Small Panoti
+ : Friend, - : Enemy, * : Neutral, ++ : Intimate, -- : Bitter Enemy

ANIL

शारीरिक गठन, व्यक्तित्व, आकृति एवं प्रकृति

1

वायु तत्व

आप मिथुन लग्न में उत्पन्न हुए हैं अतः स्वभाव से आप विनम्र उदार तथा हास्य प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे। साथ ही चेहरे से ही बुद्धिमानी की झलक परिलक्षित होगी। दूसरे के मन की बात जानने में आप चतुर रहेंगे अतः सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे एवं आपको यथा योग्य सम्मान प्रदान करेंगे। इसके साथ ही हंसी मजाक करना भी आपके व्यक्तित्व की विशेषता रहेगी। आप में चंचलता का भाव भी विद्यमान रहेगा तथा किसी नए विचार के आते ही आपकी आँखों में विशेष प्रकार की चमक उत्पन्न होगी।

आप में स्वाभिमान का भाव भी विद्यमान रहेगा तथा बंधु एवं मित्र वर्ग के प्रति आपके मन में सहयोग की भावना रहेगी। समय समय पर उनको पूर्ण सहयोग तथा सुख प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। साथ ही सहनशीलता का भाव भी आप में विद्यमान रहेगा। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग अथवा राजनैतिक नेताओं से भी आपके संबंध रहेंगे जिनसे आपको इच्छित लाभ एवं सहयोग मिलता रहेगा। आप शीघ्र प्रत्युत्तर देने में भी दक्षता का परिचय देंगे। भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे तथा सुख पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। धनऐश्वर्य एवं वैभव से भी आप सुसम्पन्न रहेंगे परंतु शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य को अत्यंत ही सोच विचार करके धीरे धीरे सम्पन्न करेंगे।

कला या संगीत के प्रति आपके मन में रूचि रहेगी तथा प्रयत्न पूर्वक इसका ज्ञान अर्जित करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगे उसे सच्चाई एवं ईमानदारी से पूर्ण करेंगे। अपने मन के आंतरिक भाव को आप सर्वदा गुप्त रखेंगे तथा नए सिद्धांतों का भी प्रतिपादन करेंगे। आप एक विदुषी व्यक्ति होंगे तथा शास्त्रों के अध्ययन में भी आपकी रूचि रहेगी। व्यापार लेखा या कानून संबंधी कार्यो में दक्षता प्राप्त करेंगे। इससे आप जीवन में सफलता के मार्ग पर अग्रसर हो सकते हैं। मित्रों के आप प्रिय रहेंगे तथा उनके कल्याण के लिए सर्वदा यत्नशील रहेंगे। आप समयानुसार सिद्धांत परिवर्तन में विश्वास करेंगे तथा किसी एक सिद्धांत पर अटल रहना आप बुद्धिमानी नहीं समझेंगे। अतः आधुनिक राजनीति के क्षेत्र में आपको वांछित सफलता मिल सकती है साथ ही प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से आप सरकार के कामों में अपना योगदान दे सकते हैं।

ANIL

धन, परिवार, आंख एवं वाणी

2

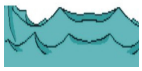

जल तत्व

आप की जन्म कुण्डली में द्वितीय भाव में कर्क राशि स्थित है जिसका स्वामी चंद्रमा है। इसके प्रभाव से आप एक भावुक प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे तथा वार्तालाप भी अधिक करेंगे। समाज में आप एक सम्मानीय व्यक्ति होंगे तथा सभी लोगों से आपको यथोचित मान सम्मान मिलेगा। आपकी वाणी भी स्पष्ट एवं मधुर रहेगी। जिससे सम्मुख व्यक्ति आपसे प्रभावित रहेगा। साथ ही अपने विचारों को बिना किसी असुविधा के अन्य लोंगो के समक्ष प्रस्तुत करेंगे जिससे सभी आपसे प्रभावित रहेंगे।

पारिवारिक सुख शांति तथा समृद्धि आपकी उत्तम रहेगी तथा परिवार की शांति तथा खुशहाली के लिए आप नित्य प्रयत्नशील रहेंगे। साथ ही संतति से भी आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की समय समय पर प्राप्ति होगी। आप सामान्यतया सुंदर तथा स्वादिष्ट भोजन करने में रूचिशील रहेंगे लेकिन मिष्ठान्न आपका विशेष प्रिय रहेगा परंतु इसके अधिक से आपको कोई शारीरिक परेशानी हो सकती है। पुत्रों का आप के प्रति विशेष स्नेह रहेगा तथा वे आपकी सेवा तथा सहयोग में सदैव तत्पर रहेंगे। अतः आप सुख पूर्वक अपना जीवन यापन करेंगे। परिवार में समय समय पर धार्मिक या मांगलिक उत्सवों का भी आयोजन करते रहेंगे। आप अपने विचारों के लिए हमेशा ठोस तर्को को प्रस्तुत करेंगे जिससे लोग आपसे प्रभावित तथा सहमत रहेंगे।

ANIL

पराक्रम, सहोदर, प्रकाशन, लधुयात्राएं

3

अग्नि तत्व

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में सिंह राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है। अतः इसके प्रभाव से आप एक आदर्श, विशालह्रदय एवं साहसी व्यक्ति होंगे। आपका अपने संबधियों, मित्रों एवं भाई बहनों के प्रति पूर्ण विश्वास रहेगा तथा आप उनको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे तथा उनकी सेवा करना अपना कर्तव्य समझेंगे। इस राशि के प्रभाव से आप प्रशासनिक या कोई उच्चाधिकार पद अर्जित करने में समर्थ हो सकते हैं। इसके साथ ही भाई बहनों से आज्ञा पालन तथा कर्तव्य परायणता के भाव की सर्वदा अपेक्षा करेंगे यदि वे ऐसा नहीं करते तो आप अत्यंत ही क्रोध का प्रदर्शन भी करेंगे। पारिवारिक शांति एवं समृद्धि के लिए उनकी गलतियों को भूलने की सीमा तक उन्हें क्षमा कर देंगे।

आप एक बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा आपकी स्मरण शक्ति अत्यंत ही तीक्ष्ण रहेगी तथा किसी को भी एक बार देख या उसके बारे में सुनकर उसे काफी समय तक याद रखेंगे। उच्च शिक्षा, दर्शन शास्त्र या लेखन संबंधी कार्यों में आप रूचिशील रहेंगे तथा यत्नपूर्वक इनका अध्ययन करने में तत्पर रहेंगे। प्रकाशन के क्षेत्र में भी आपकी रूचि रहेगी इसके अतिरिक्त एक योग्य सूचना अधिकारी या संवाददाता के रूप में भी सफल हो सकते हैं। आधुनिक संचार साधनों यथा टेलीफोन, दूरदर्शन या वाहन आदि से युक्त रहेंगे एवं आनंद पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। आप नीति संबंधी ज्ञान भी रखेंगे तथा समाचारपत्र पत्राचार या लेखन से भी आपको लाभ होगा संगीत के प्रति आपकी रूचि रहेगी तथा अवसरानुकूल इनसे अपना मनोरंजन करेंगे। आपकी दूर समीप की यात्राएं भी समय समय पर होती रहेगी तथा इससे आपको ख्याति तथा धनार्जन भी होगा।

ANIL

माता, वाहन, भौतिक ऐश्वर्य, जायदाद एवं शिक्षा

4

पृथ्वी तत्व

आपके जन्म समय में चतुर्थ भाव में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से आपकी माता जी एक बुद्धिमत्ती महिला होगी तथा परस्पर सांमजस्य रखने में अत्यंत ही दक्ष रहेगी। उनकी आपसी समझबूझ की शक्ति प्रबल रहेगी तथा अपने कर्तव्यों को पूर्ण रूप से पालन करेंगी। परिवार की ओर से वे चिंतित रहेगी तथा इनकी शांति एवं खुशहाली के लिए सर्वदा प्रयत्नशील रहेगी। आपका अपने जीवन साथी से यदा कदा मत भेद भी हो सकते हैं। बच्चों के प्रति उनका पूर्ण भावनात्मक लगाव रहेगा तथा प्रत्यक्ष रूप से इसका प्रदर्शन अल्प मात्रा में करेंगे जिससे यदा कदा आपके मन में गलतफहमियाँ हो सकती हैं लेकिन इसका प्रभाव अल्प समय के लिए होगा। इसके अतिरिक्त माता के सहयोग से आप वाहन आदि का सुख भी प्राप्त करेंगे तथा पैतृक सम्पति से भी युक्त रहेंगे।

आपको छोटा घर या आवास स्थल पसंद नहीं होगा एवं बड़े मकान की इच्छा होगी जिसे अच्छी तरह सजाकर आकर्षक एवं सुंदर बनाएँगे। उनकी सफाई सजावट में आपकी पूर्ण रूचि रहेगी तथा आधुनिक भौतिक उपकरणों से सुसज्जित करके उसको सुंदर बनाएंगे। घर में आपको आनंद एवं शांति की अनुभूति होगी। आपकी कई विषयों में ज्ञानार्जन की रूचि रहेगी तथा वाणिज्य, लेखन या गणित के क्षेत्र में विशिष्ट सफलता अर्जित करने में समर्थ हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप धनवान व्यक्ति होंगे परंतु मित्रों से विशेष सहयोग कम मिलेगा साथ ही चोरी या वशीकरण आदि तान्त्रिक मंत्रो से कोई परेशानी की संभावना हो सकती है। उच्चशिक्षा अर्जित करते समय आपको कोई व्यवधान हो सकता है तथापि व्यवधानों पर आप विजय प्राप्त करेंगे तथा उच्चशिक्षा अर्जित करने में समर्थ रहेंगे।

जिस जातक के जन्म काल में सूर्य चौथे भाव में स्थित हो उसे अति महत्वपूर्ण शोभा युक्त अधिकार का पद प्राप्त होता है। भाई बंधुओं से उसका मतभेद रहता है, परदेस में रहकर जीविकोपार्जन करता है। शत्रुओं द्वारा इस जातक का मान भंग होता है और यह मानसिक दबाव की वजह से अशांत रहता है। इस जातक को राज कुल से धन और मान प्राप्त होता है। भाईयों से भेद भाव रहता है शत्रुओं पर हावी नहीं हो पाता है। इसके दुर्बल होने की संभावना है। ह्रदयविकार एवं रक्तचाप की संभावना रहती है।

जिस जातक के जन्म समय में बुध चतुर्थ भाव में होता है, वह उत्तम मित्रों से विभूषित रहता है। वह नेता और राज्य मान्य अधिकारी होता है किन्तु इसे पैतृक धन प्राप्त नहीं होता। इसके परिवार के लोग इसका विशेष आदर करते हैं।

माता, वाहन, भौतिक ऐश्वर्य, जायदाद एवं शिक्षा

4

पृथ्वी तत्व

यह अपने बाहुबल से अर्थोपार्जन करता है। जातक धनी, वाहनों से युक्त, संगीत में प्रवीण -प्रवासी और बुद्धिमान होता है। यह गणित शास्त्र का जानने वाला और चाटुकारिता की वाणी बोलने में प्रवीण होता है। इससे प्रायः सभी प्रसन्न रहते है। इसके कई मित्र हो सकते हैं। इसको पुत्र सुख भरपूर होता है। तथा धन धान्य से परिपूर्ण होने से आलसी होता है। अन्य मत से एक विशेष स्थिति ऐसी भी होती है, जब चतुर्थ भाव का बुध जातक को क्रोधी बनाता है।

बुद्धि, सन्तान एवं प्रणय सम्बन्ध

5

वायु तत्व

आपके जन्म समय में पंचम भाव में तुला राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। इसके प्रभाव से आप आधुनिक विचारों के व्यक्ति होंगे तथा मन उदारता एवं सज्जनता का भाव भी विद्यमान रहेगा। आपका मन प्रेम तथा स्नेह के भाव से युक्त रहेगा तथा सभी लोगों से आप के संबंध मधुर रहेंगे। जीवन में आप के रहन सहन का स्तर उच्च रहेगा तथा आधुनिक सुख साधनों का प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। आप महत्वकांक्षी रहेंगे। अतः इच्छा वैभिन्य से जीवन साथी से मतभेद हो सकते हैं। आप एक बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा जीवन की खुशहाली तथा वैभव आदि अपनी बुद्धिमत्ता से ही अर्जित करेंगे। इस राशि के प्रभाव से आप में वाकपटुता कल्पनाशीलता का भाव, वैदिक ज्ञान ओर की रूचि तथा सही दिशा में सोचने की शक्ति विद्यमान रहेगी।

संतति से आप युक्त रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। परंतु उनकी शिक्षा दीक्षा, शादी या रोजगार संबंधी समस्याओं के कारण आप चिंता की अनुभूति कर सकते हैं परंतु इसका प्रभाव अल्प रहेगा तथा अन्त में स्वतः ठीक हो जाएगा। इसके अतिरिक्त आप व्यक्तिगत तथा सामाजिक जीवन से प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे। आपकी संतान देखने में सुंदर एवं आकर्षक होगी तथा अपने कार्यक्षेत्र में सामान्यतया सफलता अर्जित करने में समर्थ रहेगी। साथ ही वृद्धावस्था में वे आपकी सेवा करेंगे तथा किसी भी प्रकार कष्ट नहीं होने देंगे। आपको व्यापार आदि में सरकार द्वारा टैक्स संबंधी परेशानी हो सकती है। अतः इसके लेन देन में अपना हिसाब यथोचित तैयार रखें अन्यथा समस्याएँ उत्पन्न हो सकती है।

जिस जातक के जन्म समय में शुक्र पाँचवें भाव में होता है, उसे विवाह पश्चात शीघ्र ही पुत्र प्राप्त होता है। संतान से उत्तम सुख प्राप्त होता है। धन भी प्रचुर मात्रा में प्राप्त होता है। इसे मंत्र सिद्धि होती है, यह काव्य कर्ता तथा मिष्टान्न भोगी होता है। यह जातक सुखी, पुत्रवान, मित्रों से युक्त, विलास प्रिय, अतीव धन संपन्न, सब तरह की वस्तुओं सुख साधनो से भरा पूरा सरकारी अफसर हो सकता है। यह धनी, सौन्दर्य सम्पन्न, काव्य और कलाओं से सर्वथा युक्त होता है। यह जातक माता की सेवा करने वाला, स्त्री पुत्रों से युक्त होता है। इसको काव्य रचने की कला होती है तथा राज्य में सम्मान प्राप्त करने वाला होता है।

किसी जातक के जन्म समय में पाँचवें भाव में शनि के साछ शुभ ग्रह न होने से पुत्र-सुख प्राप्ति में न्यूनता रहती है। यह शुभ-कार्य नहीं कर पाता। धन का अभाव रहता है। इसकी मित्रों के साथ नहीं पटती। संतान, साथी, धन, सुख में न्यूनता रहती है। शनि बलवान होने पर विपरीत शुभ फलों की प्राप्ति होती है।

रोग, शत्रु, सेवक एवं मामा

6

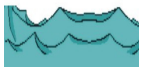

जल तत्व

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप अनावश्यक चिंताओं तथा उत्तेजनाओं से अपने स्वास्थ्य को प्रभावित करेंगे। साथ ही उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सीमित रूप से ही परिश्रम करना चाहिए क्योंकि क्षमता से अधिक कार्य करना आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा। सामान्य रूप से वातपित्तोत्पन्न जुकाम आदि से कष्ट हो सकता है। वृद्धावस्था में श्वास आदि से परेशानी हो सकती है। इसके साथ ही जोडों के दर्द से भी किंचित् परेशानी की आपको अनुभूति होगी। अतः स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहें।

मंगल एक तेजस्वी तथा उग्र ग्रह है अतः आपको कभी भी अनावश्यक रूप में अपने वार्तालाप में कठोर शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए तथा यत्नपूर्वक मधुर वाणी बोलनी चाहिए अन्यथा आप को कई प्रकार से समस्याओं का सामना करना पड़ेगा आपके उन्नति मार्ग में शत्रु हमेशा व्यवधान उत्पन्न करेंगे। अतः आपका जीवन अत्यंत परिश्रम पूर्ण रहेगा। आप बंधु मित्र एवं सरकारी आधिकारियों से शत्रुता या विरोध का सामना कर सकते हैं। अपनी चतुराई, बुद्धिमत्ता से शत्रुपक्ष या विरोधियों का दमन करने में समर्थ रहेंगे तथा आपकी परेशानियाँ भी दूर होगी।

आपके अधिकांश नौकर उग्र स्वभाव के होंगे तथा आपकी गुप्त बातों को वे अन्य जनों से कहकर आपके मान सम्मान में न्यूनता करेंगे। आप जीवन की खुशहाली पर अधिक व्यय करेंगे तथा इसी के कारण आपकी आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है। जिससे आपको ऋण आदि भी लेना पड़ सकता है अतः आपको अपने खर्च पर विवेक पूर्ण निगरानी रखनी चाहिए। नौकरों के सामने कोई भी व्यक्तिगत वार्तालाप नहीं करना चाहिए।

मुकद्दमेबाजी की आपको जीवन भर यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए क्योंकि इससे आपको लाभ की अपेक्षा हानि ही हो सकती है। साथ ही मामा मामी से भी आपको इच्छित सुख अल्प मात्रा में प्राप्त होगा। तथापि आपको उनकी उपेक्षा कमी नहीं करनी चाहिए। आपको अधिक मिष्टान्न की उपेक्षा करनी चाहिए, मिष्टान आपके लिए हानिकारक है। इससे आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

दम्पति, विवाह एवं साझेदर

7

अग्नि तत्व

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में धनु राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। इसके प्रभाव से आप एक आकर्षक व्यक्तित्व के सुंदर सुशील एवं बुद्धिमान व्यक्ति होंगे। साथ ही आप उच्च शिक्षा प्राप्त करेंगे। आपका जीवन सामान्यतया परिवर्तनशील रहेगा तथा सौभग्य से युक्त होकर अपना दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। यह राशि द्विस्वभाव राशि है अतः जीवन में आपको विविधताएं पसंद रहेंगी तथा इसका प्रदर्शन भी करेंगे। आपके विचार मस्तिष्क से संचालित होने के बाद भावनाओं में आते हैं। अतः आप सामान्यतया सांसारिक झंझटों से सुरक्षित रहेंगे।

आप और आपका जीवनसाथी दोनों बुद्धिमान होंगे तथा जीवन में एक दूसरे को अपना पूर्ण सुख सहयोग प्रदान करेंगे। कई बार आप अपनी इच्छा के विरूद्ध किसी कार्य को करना पसंद नहीं करेंगे इससे तनाव या मतभेद उत्पन्न हो सकता है इसलिए ऐसी परिस्थितियों की पारिवारिक शांति तथा समृद्धि के वातावरण के लिए यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए। आपके लिए तुला कुंभ तथा मेष लग्न के जातक जीवन साथी या व्यापार आदि में साझेदार बनाने के लिए उपयुक्त रहेंगे। आपका जीवन आनंदमय रहेगा तथा व्यापार आदि में भी उन्नति एवं लाभमार्ग प्रशस्त रहेंगे। आप या आपके जीवन साथी एक से अधिक कार्यों के द्वारा धनार्जन करेंगे। साथ ही दलाली, व्यापार, सचिव तथा वकील के रूप में भी आप सफलता प्राप्त कर सकते हैं। यात्रादि के द्वारा भी आजीविका या धनार्जन होगा। इसके अतिरिक्त आप का स्वभाव मिलनसार रहेगा तथा समस्त पारिवारिक तथा सामाजिक जनों के साथ संबंध स्नेहपूर्ण रहेंगे। अतः आपका समय प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

जिस जातक के जन्म समय मंगल सातवें भाव में हो तो वह शत्रुओं से ग्रसित रहता है। जीवन साथी के सुख में बाधा आती है। यह परदेश वास करता है। यह विलासी होता है और इसको व्यर्थ की चिंता रहती है। यदाकदा वाद विवाद के प्रसंग आते ही रहते है। यह जातक रोग ग्रस्त और क्रोधी होता है। अपनी संतान से संतोष प्राप्त नहीं होता।

जिस जातक के जन्म काल में गुरु सप्तम भाव में होता है वह जातक शीघ्र परम उच्च स्थान पर अधिष्ठित होता है। इसे राज्य से पूरा धन, एवं सम्मान प्राप्त होता है। यह विवेकशील और तार्किक होता है। इसको जीवन साथी से रति सुख पाने में कोई कमी नहीं रहती। सदैव मित्र इसके पीछे और यह मित्रों के बीच में रहता है। यह जातक गुणों में पिता की अपेक्षा अधिक श्रेष्ठ होता हैं। जातक विचित्र कार्य करने वाला, लेकिन उदार होता है। इसके मित्र अच्छे होते है। इसका जीवन साथी गुणवान और पुत्रवान होता है। यह जातक बहुत लाभ प्राप्त करता है। इसे चिंताएँ बहुत

दम्पति, विवाह एवं साझेदर

7

अग्नि तत्व

होती हैं। यह विद्वान होता है तथा मित्र अथवा जीवनसाथी द्वारा धन प्राप्त करता है और सुखी होता है।

दहेज, बीमा, आयु एवं दुर्घटना

8

पृथ्वी तत्व

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से आप व्यावहारिक तथा आधुनिक विचारधारा के व्यक्ति होंगे फलतः आध्यात्म, ज्योतिष या तंत्र मंत्र आदि के प्रति आपकी कोइ विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी। जीवन में समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को स्वपराक्रम एवं परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। लेकिन जुए आदि की आपको यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए। आप काफी व्यस्त रहेगे तथा मित्रों के कहने पर भी उपरोक्त विषयों के प्रति आपके मन में कोई रूचि उत्पन्न नहीं होगी। आपको प्रचुर मात्रा में पैतृक संपत्ति की प्राप्ति होगी तथा शनैः शनैः इसका विस्तार करने में आप समर्थ रहेंगे। इस प्रकार अपनी मेहनत एवं कार्यकौशल से आप एक धनवान व्यक्ति होंगे।

आपका दाम्पत्य जीवन सामान्यतया अच्छा रहेगा तथा आवश्यक सुख सुविधाओं का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही ससुराल भी आर्थिकदृष्टि से सम्पन्न रहेगी। बीमा आदि करने से भी आपको लाभ होगा। अतः मकान गाड़ी या अन्य वस्तुओं का बीमा जरूर कराना चाहिए। यद्यपि आपको हानि अधिक नहीं होगी परंतु बीमा से प्रचुर मात्रा में धन प्राप्त हो सकता है। आपको आवश्यक रूप से सर्वदा सतर्कता का पालन करना चाहिए। आपकी प्रवृत्ति काफी, सजग रहेगी फलतः आप परेशानियों से सुरक्षित रहेंगे। आपकी आयु भी अच्छी होगी तथा सामान्यतया आपका सांसारिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

सौभाग्य, प्रसिद्धि, पूजा, उच्चशिक्षा एवं लम्बी यात्राएं

9

वायु तत्व

आपके जन्म समय में नवम् भाव में कुंभ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से आप एक धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे तथा धार्मिक साहित्य का रूचिपूर्वक अध्ययन करेंगे साथ ही उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए भी हमेशा प्रयत्नशील रहेंगे। आप किसी विशिष्ट सिद्धि या उपलब्धि को अर्जित करने के लिए जीवन में सर्वदा यत्नशील रहेंगे जिसके द्वारा आपको समाज, में मान सम्मान धन एवं ख्याति अर्जित होगी इसके साथ ही ज्योतिष के प्रति आपकी श्रद्धा रहेगी तथा आपको इसका न्यूनाधिक ज्ञान अवश्य रहेगा।

ईश्वर के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा तथा विश्वास रहेगा। कई बार आप कार्य की अपेक्षा भाग्य को अधिक महत्व प्रदान करेंगे। साथ ही अपने इष्टदेव की नियमित पूजा करेंगे तथा परिवार में समय समय पर धार्मिक अनुष्ठानों को संम्पन्न करते रहेंगे। आपके विचार से भाग्य की प्रबलता के बिना कोई भी सफलता असंभव है तथा सौभाग्य से ही मनुष्य जीवन में विशिष्ट सफलताएं अर्जित कर सकते हैं। आपके विचार में ऐसा करने से बच्चों के संस्कारों में वृद्धि होती रहेगी। इसके अतिरिक्त समय समय पर तीर्थ यात्राएँ भी करेंगे तथा साधु महात्माओं के संगति से आपको प्रसन्नता एवं संतुष्टि प्राप्त होगी।

आपकी व्यावसायिक तथा आनंद दायक यात्राएँ सम्पन्न होगी तथा इनसे आपको काफी ज्ञानार्जन भी होगा। इसके अतिरिक्त दैवी कृपा से धनार्जन करेंगे तथा रास्ता, बगीचा या तालाब तथा मंदिर आदि परोपकार संबंधी कार्यो को करने कराने में भी तत्पर रहेंगे। साथ ही आथित्यभाव आप में विद्यामान रहेगा। पौत्रों से भी आपको इच्छित सुख प्राप्त होगा। वास्तव में आप इस जीवन में जो भी आनंद या उपलब्धि अर्जित करते है वह पूर्वजन्म के पुण्यों का ही प्रभाव है। इस प्रकार आपका सांसारिक जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ANIL

पिता, व्यवसाय, एवं सामाजिक स्तर

10

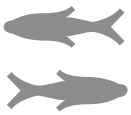

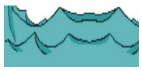

जल तत्व

आपके जन्म समय में दशम भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आपके पिता जी एक बुद्धिमान पुरूष होंगे तथा उनका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा उनकी प्रवृत्ति भी धार्मिक रहेगी अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को वे परिश्रम तथा ईमानदारी से सम्पन्न करेंगे।

आपकी तंत्र मंत्र एवं ज्योतिष शास्त्र में श्रद्धा रहेगी साथ ही इनका आपको न्यूनाधिक ज्ञान भी होगा। व्यवसाय के लिए आप विज्ञान, लेखाकार या बैंक कर्मचारी के रूप में अपनी आजीविका प्रारंभ कर सकते हैं। अपनी सक्रियता, परिश्रमशीलता एवं उद्यमी प्रवृत्ति से जीवन में समस्त भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे। तथा इनसे आपको आनंद की अनुभूति होगी। आपको प्रचुर मात्रा में लाभ उन्नति एवं सम्मान प्राप्त होगा। साथ ही शैक्षणिक संस्थाओं, प्रशासनिक एवं प्रबन्ध के क्षेत्र में भी आपकी आजीविका हो सकती है। आपके जीवन में समय समय पर महत्वपूर्ण परिवर्तन होते रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप शेयरब्रोकर या वकील आदि के व्यवसाय से भी धनार्जन करने में सफल हो सकते हैं।

आप धनार्जन के लिए नवीन कार्यों को करने के लिए सक्रिय रहेंगे तथा इसमें सफलता भी प्राप्त होगी। आप धार्मिक प्रवृत्ति से युक्त, सज्जनों की सेवा करने वाले, परोपकारी, तीर्थाटन शील तथा आर्थिक दृष्टि से समृद्ध होकर अपना जीवन आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे। साथ ही सरकार एवं सरकारी अधिकारियों से भी आपको इच्छित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा।

लाभ, मित्र, समाज, ज्येष्ठ माता एवं आकांक्षाएं

11

अग्नि तत्व

आपके जन्म समय में एकादश भाव में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति होंगे तथा इच्छाओं की बहुलता रहेगी। अतः आर्थिक समृद्धि बनी रहेगी। साथ ही इनकी पूर्ति अपने पराक्रम एवं परिश्रम के द्वारा अधिकांश मात्रा में करने में सफल रहेंगे। आप में संगठनात्मक शक्ति विद्यमान रहेगी तथा अन्य लोगों को नियंत्रित तथा संगठित करके उनसे कार्य करवाने में समर्थ रहेंगे। अतः आप प्रबन्धक, प्रशासनिक या रक्षा संबंधी विभागों में कार्यरत हो सकते हैं। जीवन में इनसे आपको प्रचुर मात्रा में लाभ एवं धनार्जन होगा। बड़े भाइयों से जीवन में आपको यथोचित सहयोग प्राप्त होगा तथा वे अपने स्नेहयुक्त व्यवहार से आपको प्रसन्न रखेंगे तथा आप उनका पूर्ण मान सम्मान करेंगे।

आप अच्छे एवं अधिक मित्र मंडली को पसंद करेंगे। आपके सभी मित्र उत्साही पराक्रमी निडर तथा शिक्षित रहेंगे। फलतः समाज या क्षेत्र में विख्यात रहेंगे एवं जीवन में स्वपराक्रम से किसी विशिष्ट सामाजिक सम्मान को अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। यद्यपि आप स्वछंद प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे तथापि अन्य के साथ कार्य करने में आपको प्रसन्नता की अनुभूति होगी। आप एक सामाजिक व्यक्ति होंगे तथा क्षेत्र या समाज के सभी लोगों से आपके संपर्क रहेंगे तथा उनकी सेवा एवं भलाई करने के लिए आप हमेशा रूचिशील रहेंगे। यदा कदा बाएं कान की परेशानी से कष्ट हो सकता है। आपका सामान्य जीवन सुखऐश्वर्य से युक्त होकर प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

जिस मनुष्य के ग्यारहवें भाव में जन्म समय में चंद्रमा होता है, वह राज्य में लोकप्रिय और मान्य होता है। उसे प्रतिष्ठा अधिकार तथा मूल्यवान वस्त्रालंकार प्राप्त होते हैं। इसके पास उत्तम मित्र होते हैं। इसको कन्या संतान अधिक होती है। इसको नाना प्रकार के व्यपार से लाभ होते हैं। यह व्यक्ति मित्रों से घिरा रहता है। इसके पास धनाभाव नहीं रहता है। इसके पास उच्चकोटि के वाहन होते हैं यह जातक जीवन साथी, पुत्र, मित्रों से युक्त होता है। इसे रत्न तथा बहुमूल्य धातुओं की प्राप्ति होती है।

हानि, बन्धन, कर्ज, आवास परिवर्तन एवं मोक्ष

12

पृथ्वी तत्व

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में वृषभ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। इसके प्रभाव से आपका जीवन सामान्यतया परिवर्तनशील रहेगा तथा सुखऐश्वर्य से युक्त होकर जीवन व्यतीत करेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा विभिन्न प्रकार प्रकार से आपको धनार्जन होगा लेकिन आपकी प्रवृत्ति व्ययशील रहेगी तथा धन को आप उन्मुक्त रूप से व्यय करेंगे। परिवार के लिए उच्च स्तर के खान पान रहन सहन वस्त्रादि पर भी आपका व्यय अधिक होगा तथा भौतिक विलासमय साधनों पर भी आप दिल खोलकर व्यय करेंगे। साथ ही किसी ख्यातिप्राप्त कंपनी में पूंजीनिवेश करेंगे जिससे भविष्य में आपको प्रचुर मात्रा में लाभ होगा।

भौतिक उपकरणों से आपका घर सुसज्जित रहेगा तथा इससे आपको हार्दिक प्रसन्नता एवं आनंद की अनुभूति होगी। आपके जीवन में समय समय पर तीर्थ यात्राएँ भी होती रहेंगी तथा दूर समीप की यात्राएं भी सम्पन्न होंगी। आपकी सामान्य यात्राएँ व्यापार या कार्यक्षेत्र से संबधित रहेगी। साथ ही आप भ्रमण या पर्यटनस्थलों की भी सैर करने के उत्सुक होंगे। यात्राओं में आप सक्रिय रहेंगे फलतः इससे उचित मात्रा में लाभ एवं सम्मान प्राप्त होगा।

आपकी विदेश संबधी यात्रा भी सम्पन्न होगी एवं इससे आपका भविष्य उज्जवल होगा। साथ ही काफी समय तक विदेश प्रवास भी कर सकते हैं। इससे खुशहाली, ऐश्वर्य एवं वैभव से युक्त होकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

जिस जातक के जन्म समय में राहू बारहवें स्थान में हो वह दरिद्र, कपटी खर्चीला होता है। इसको उद्योग से उचित फल मिलने की संभावना नहीं रहती। इसका धन फालतू खर्च होता है। जीवन संघर्षपूर्ण रहता है।

ANIL

वर्षफल : 2013

निरयन स्पष्ट ग्रह

ग्रह	राशी अंश		नक्षत्र		रा स्वा	न स्वा	उ स्वा	अवस्था
लग्न	वृश्चिक	02:21:37	विशाखा	4	मंगल	गुरु	राहू	-
रवि	कन्या	24:56:25	चित्रा	1	बुध	मंगल	राहू	बाल
चंद्र	धनु	27:37:42	उ.षाढा	1	गुरु	रवि	चंद्र	मृत
मंगल	सिंह	03:58:17	मघा	2	रवि	केतु	चंद्र	बाल
बुध	तुला	19:55:06	स्वाती	4	शुक्र	राहू	मंगल	वृद्ध
गुरु	मिथुन	25:21:49	पुनर्वसु	2	बुध	गुरु	बुध	मृत
शुक्र	वृश्चिक	10:47:51	अनुराधा	3	मंगल	शनि	रवि	वृद्ध
शनि	तुला	17:11:37	स्वाती	4	शुक्र	राहू	शुक्र	युवा
राहू (व)	तुला	14:29:33	स्वाती	3	शुक्र	राहू	केतु	युवा
केतु (व)	मेष	14:29:33	भरणी	1	मंगल	शुक्र	शुक्र	युवा
हर्षल	मीन	16:08:36	उ.भाद्र	4	गुरु	शनि	गुरु	युवा
नेप.	कुंभ	08:48:57	शततारका	1	शनि	राहू	गुरु	कुमार
प्लुटो	धनु	15:03:14	पू.षाढा	1	गुरु	शुक्र	शुक्र	युवा
मांदी	तुला	05:08:45	चित्रा	4	शुक्र	मंगल	रवि	-
भा.-सहंम	कुंभ	05:02:55	धनिष्ठा	4	शनि	मंगल	रवि	-
मुंथा	वृश्चिक	14:59:12	अनुराधा	4	मंगल	शनि	गुरु	-

वर्ष लग्न कुंडली

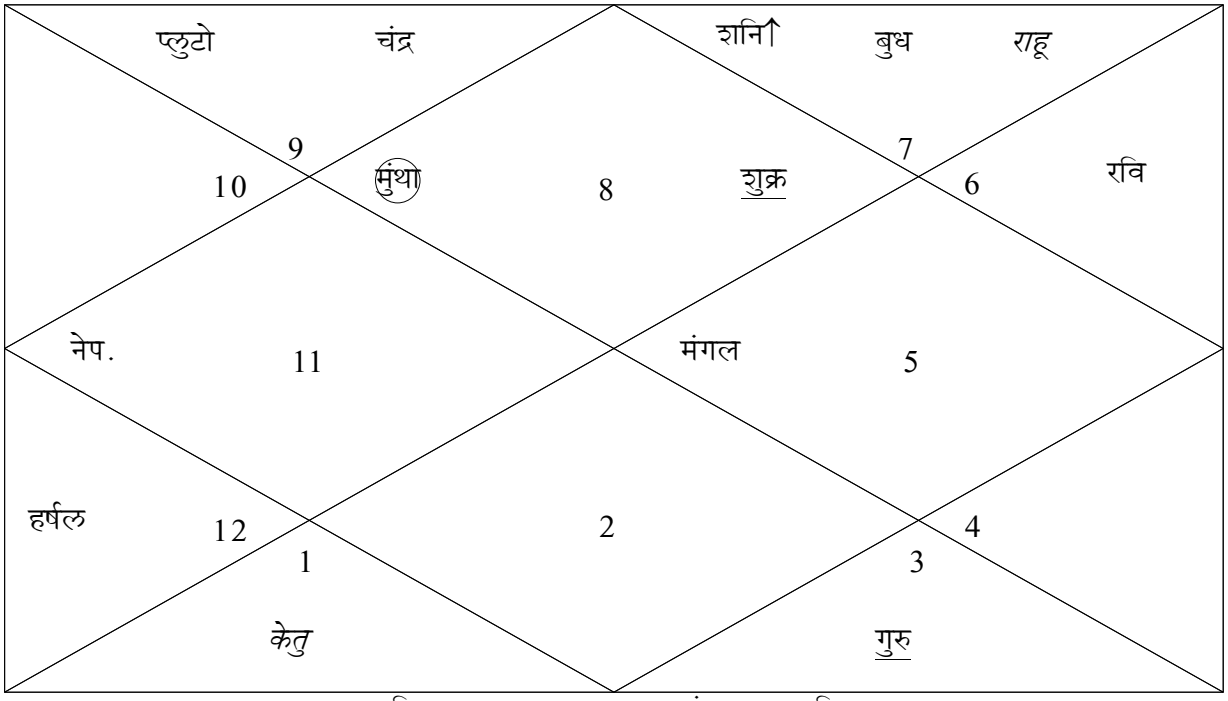

रवि >>> बुध >>> शुक्र >>> मंगल >>> रवि

ANIL

वर्षफल : 2013

आप 11/10/2013 से 29/10/2013 तक रवि ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में रवि 11 भाव मे है। आपकी इच्छाएँ व महत्वाकांक्षाएं पूरी होंगी। मित्रों और रिश्तेदारों से सहायता पायेंगे। इस समय के सौदे सफल सिद्ध होंगे। अनुबंधों और समझौतों से आपको प्रचुर लाभ मिलेगा। प्रेम एवम् प्रणय संबंधों के लिये भी यह समय श्रेष्ठ व सुखद सिद्ध होगा।

आप 30/10/2013 से 28/11/2013 तक चंद्र ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में चंद्र 2 भाव मे है। आप बेहद प्रसन्न रहेंगे। इस अवधि में आर्थिक लाभ प्राप्त होंगे। परिवार में मेल जोल रहेगा और आत्मीयों के साथ खूब समागम रहेगा। मित्र और सहयोगी काफी सहायक सिद्ध होंगे। यात्रा सफल सिद्ध होगी। समय का जितना सदुपयोग करेंगे उतना ही अच्छा रहेगा।

आप 29/11/2013 से 19/12/2013 तक मंगल ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में मंगल 10 भाव मे है। आपको लेन देन के व्यवसाय, सार्वजनिक क्षेत्र या सरकार द्वारा फायदा मिलेगा। उच्च पदस्थ और महत्वपूर्ण व्यक्तियों से आपकी मित्रता रहेगी जिससे आप लाभांवित होंगे। व्यापार का विस्तार भी शीघ्र होगा। विपरीत परिस्थितियों को कुशलता से झेलने के लिये आपमें प्रचुर आत्मविश्वास रहेगा। शत्रु आपको नुकसान नहीं पहुँचा पायेंगे।

आप 20/12/2013 से 12/02/2014 तक राहू ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में राहू 12 भाव मे है। इस अवधि में निवास स्थान या नौकरी का परिवर्तन संभावित है। भारी व्ययसे आप व्यथित रहेंगे। अपने ही लोगों से झगड़े विवाद हो सकते हैं। यात्राएं थकाने वाली और सफल नहीं रहेगी। पारिवारिक सदस्य आपके प्रति उदासीन रहेंगे। शत्रु नुकसान पहुंचाने का प्रयत्न करेंगे दुष्ट मित्रों से सावधान रहें वे आपकी प्रतिष्ठा पर आंच लायेगें। परिवार के किसी सदस्य की बीमारी चिन्ता का एक कारण रहेगा। अभी किसी यात्रा की योजना न बनाएं।

आप 13/02/2014 से 02/04/2014 तक गुरु ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में गुरु 8 भाव मे है। मानसिक चिंताओं के कारण तकलीफ होगी। शारीरिक रोग से भी घिरे रह सकते हैं। मन को शांति नहीं मिलेगी। परिवार जनों

वर्षफल : 2013

के बर्ताव में भी फर्क रहेगा। लेकिन गूढ़ विज्ञान और परामनोविज्ञान में आपकी रूचि जागृत होगी। इन क्षेत्रों के कुछ अनुभव भी प्राप्त होंगे। अचानक धन लाभ होने की भी संभावना है। पूंजी निवेश का प्रयत्न न करें क्योंकि मन चाहा परिणाम प्राप्त नहीं होगा। मित्र व सहयोगी अपना वचन नहीं निभायेंगे। असुरक्षा की भावना सदैव विद्यमान रहेगी।

आप 03/04/2014 से 30/05/2014 तक शनि ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में शनि 12 भाव मे है। इस अवधि में जीवन शक्ति स्फूर्ति में कमी होने के कारण आप बेहद अशक्त महसूस करेंगे। फालतू के कामों में आप अपनी ऊर्जा बर्बाद करेंगे। धन हानि हो सकती है। परिवारजनों की बीमारी आपकी मानसिक शांति भंग कर देगी। व्यय करने की प्रवृति बढ़ेगी। अवांछित स्थान पर आपको निवास करना पड सकता है। लेकिन इस समय इंद्रयातीत अनुभव प्राप्त करने के लिए बुरा काम करना सही नहीं है। धार्मिक क्रियाकलापों में कुछ समय बिताने की सलाह दी जाती है। सांसारिक मामलों के लिहाज से यह श्रेष्ठ समय नहीं है।

आप 31/05/2014 से 21/07/2014 तक बुध ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में बुध 12 भाव मे है। यह अवधि आपको मानसिक चिंताएं देगी। विरोधी प्रतिष्ठा पर आंच लाने का प्रयत्न करेंगे। व्यय बढ़ता रहेगा। अचानक हानि होने की भी संभावना है। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण परेशान रहेंगे। हानिकर कार्यो से भी संबंधित रह सकते हैं। पारिवारिक माहौल सौमनस्यपूर्ण नहीं। रहेगा। आपका मन अध्यात्म की ओर झुकेगा। समस्याओं, परेशानियों का प्रतिरोध करने की कोशिश करें। जोखिम उठाने की प्रवृति पर नियंत्रण रखें हर प्रकार की सट्टेबाजी से बचें।

आप 22/07/2014 से 12/08/2014 तक केतु ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में केतु 6 भाव मे है। व्यापार धंधे में इस अवधि में आप बहुत अच्छा काम करेंगे। अगर नौकरी पेशा है तो नौकरी की हालतों में सुधार होगा। व्यापार के विस्तृत होने की संभावना है। आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। इस दौरान हर क्षेत्र से आपको सम्मान मिलेगा। परिवार जनों का व्यवहार अच्छा रहेगा। प्रतिस्पर्धा में सफल होंगे। अचानक यात्रा सौभाग्यकाल को पूरी तरह भुनाने के लिये यह श्रेयकर समय है।

आप 13/08/2014 से 12/10/2014 तक शुक्र ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में शुक्र 1 भाव मे है। इस अवधि में आप सुखी व आनंदित रहेंगे। आपके चारों ओर का वातावरण सुखद होगा। मित्र वर्ग की ओर आपका झुकाव

वर्षफल : 2013

रहेगा। वैवाहिक सुख भोगेंगे। इस समय अगर आप थोड़ी मेहनत करें तो अपनी आय आप काफी बढ़ा सकते हैं। आप एक विशद व शानदार पार्टी देना चाहेंगे। ललितकला, संगीत व साहित्य में आपकी रूचि रहेगी। छोटी मोटी बीमारियाँ आपको परेशान कर सकती हैं। परिवार जन आपकी पूरी मदद करेंगे।

आप 13/10/2014 से 13/10/2014 तक रवि ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में रवि 11 भाव मे है। आपकी इच्छाएँ व महत्वाकांक्षाएं पूरी होंगी। मित्रों और रिश्तेदारों से सहायता पायेंगे। इस समय के सौदे सफल सिद्ध होंगे। अनुबंधों और समझौतों से आपको प्रचुर लाभ मिलेगा। प्रेम एवम् प्रणय संबंधों के लिये भी यह समय श्रेष्ठ व सुखद सिद्ध होगा।

ANIL

वर्षफल : 2014

निरयन स्पष्ट ग्रह

ग्रह	राशी अंश		नक्षत्र		रा स्वा	न स्वा	उ स्वा	अवस्था
लग्न	कुंभ	04:04:40	धनिष्ठा	4	शनि	मंगल	शुक्र	-
रवि	कन्या	24:56:22	चित्रा	1	बुध	मंगल	राहू	बाल
चंद्र	वृषभ	15:59:04	रोहिणी	2	शुक्र	चंद्र	शनि	युवा
मंगल	वृश्चिक	25:43:05	ज्येष्ठा	3	मंगल	बुध	राहू	बाल
बुध	तुला	04:26:22	चित्रा	4	शुक्र	मंगल	शुक्र	बाल
गुरु	कर्क	23:43:52	आश्लेशा	3	चंद्र	बुध	मंगल	कुमार
शुक्र	कन्या	21:36:20	हस्त	4	बुध	चंद्र	शुक्र	कुमार
शनि	तुला	27:36:53	विशाखा	3	शुक्र	गुरु	शुक्र	मृत
राहू (व)	कन्या	25:08:17	चित्रा	1	बुध	मंगल	राहू	बाल
केतु (व)	मीन	25:08:17	रेवती	3	गुरु	बुध	राहू	बाल
हर्षल	मीन	20:16:34	रेवती	2	गुरु	बुध	शुक्र	कुमार
नेप.	कुंभ	11:03:45	शततारका	2	शनि	राहू	शनि	कुमार
प्लुटो	धनु	17:01:29	पू.षाढा	2	गुरु	शुक्र	चंद्र	युवा
मांदी	कुंभ	23:19:39	पू.भाद्र	1	शनि	गुरु	शनि	-
भा.-सहंम	कन्या	25:07:22	चित्रा	1	बुध	मंगल	राहू	-
मुंथा	धनु	14:59:12	पू.षाढा	1	गुरु	शुक्र	शुक्र	-

वर्ष लग्न कुंडली

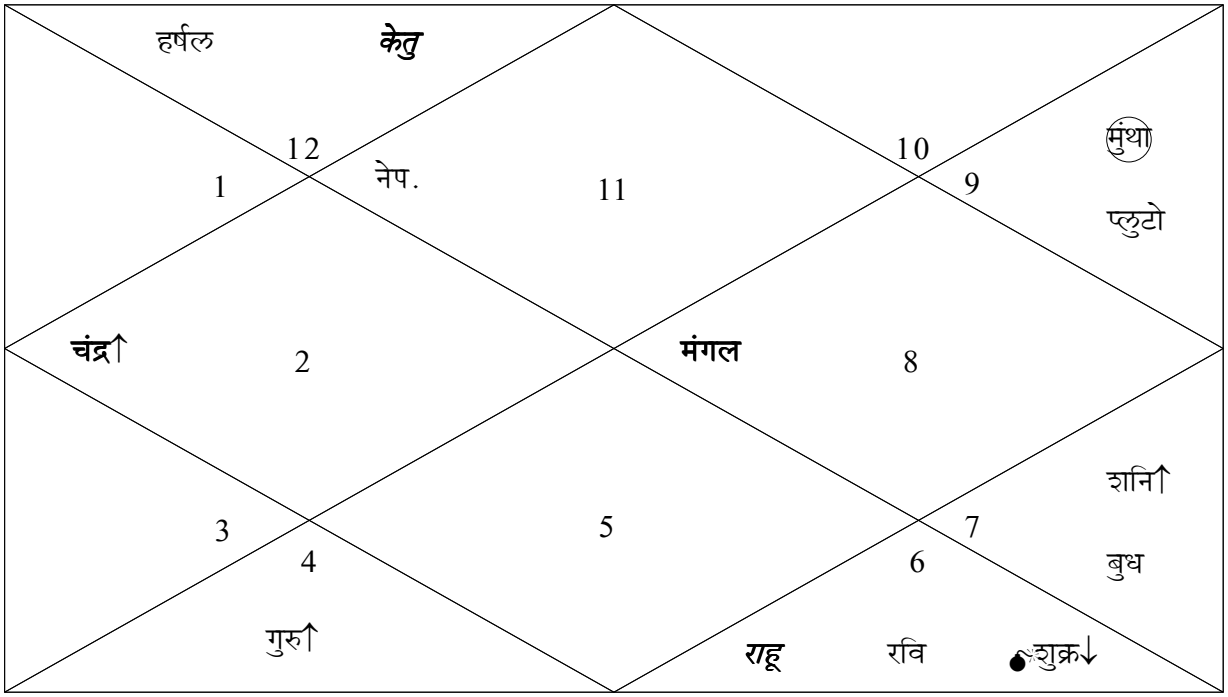

बुध >>> शुक्र >>> बुध

ANIL

वर्षफल : 2014

आप 11/10/2014 से 29/10/2014 तक चंद्र ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में चंद्र 4 भाव मे है। यह बहुत अच्छा समय है। आप सुखी और विलासपूर्ण जीवन व्यतीत करेंगे। विलास सामग्री पर भी खर्च करेंगे। माँ बाप से संबंध बहुत मधुर रहेंगे। अगर नौकरी कर रहे हैं तो पदोन्नति प्राप्त करेंगे। शत्रुओं पर विजय पायेंगे। आमदनी में वृद्धि होगी।

आप 30/10/2014 से 19/11/2014 तक मंगल ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में मंगल 10 भाव मे है। आपको लेन देन के व्यवसाय, सार्वजनिक क्षेत्र या सरकार द्वारा फायदा मिलेगा। उच्च पदस्थ और महत्वपूर्ण व्यक्तियों से आपकी मित्रता रहेगी जिससे आप लाभांवित होंगे। व्यापार का विस्तार भी शीघ्र होगा। विपरीत परिस्थितियों को कुशलता से झेलने के लिये आपमें प्रचुर आत्मविश्वास रहेगा। शत्रु आपको नुकसान नहीं पहुँचा पायेंगे।

आप 20/11/2014 से 13/01/2015 तक राहू ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में राहू 8 भाव मे है। इस अवधि के दौरान दुर्घटनायें आपकी मानसिक शांति भंग कर सकती है। प्रयासों में असफलता ही हाथ लगेगी। आपके भ्रम भयकारी और डरावती मनोविकृति बन सकते हैं। आपके साथी का बर्ताव आपको असहनीय मालूम पड़ेगा। धन्धे-व्यापार में भी काम अच्छा नहीं चलेगा। कुछ न कुछ परेशानियाँ आपको सदैव घेरे रहेंगी। स्वास्थ्य की समस्याओं के कारण आप सही प्रकार से अपने वचन नहीं निभा पायेंगे। गूढ़ विज्ञान की ओर आपकी रुचि जागृत होगी और कुछ अतीन्द्रिय अनुभव भी प्राप्त कर सकते है।

आप 14/01/2015 से 03/03/2015 तक गुरु ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में गुरु 6 भाव मे है। थोड़े से लाभ के लिये आपको बहुत मेहनत करनी पड़ सकती है। नौकरी के हालात बदतर होते जायेंगे। स्वास्थ्य संबंधी समस्यायें परेशानी पैदा करेंगी। परिवारजनों से संबंध भी इस अवधि में अच्छे नहीं रहेंगे। विरोधी प्रबल होंगे। व्यर्थ की यात्राओं से बचें। वैसे मुकदमेबाजी और न्यायालयों के मामलों के लिये यह समय अच्छा है। जीवन शक्ति और स्फूर्ति में कमी महसूस होने के कारण झगड़े और झंझटों से दूर रहने का प्रयत्न करें।

आप 04/03/2015 से 30/04/2015 तक शनि ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में शनि 9 भाव मे है। इस अवधि के दौरान आप खूब खुश रहेंगे। आपके प्रयास अच्छे परिणाम देना शुरु कर देंगे। सरकारी अफसरों वरिष्ठ लोगों

ANIL

वर्षफल : 2014

एवं माता पिता से संबंध अति मधुर रहेंगे। एक लम्बी यात्रा बहुत फायदेमंद रहेगी। आपके मित्र व सहयोगी आपकी पूरी सहायता करेंगे। आपका मन अध्यात्म और जीवन के उच्च दर्शन की ओर मुड जाएगा। नए व्यापार करने या नौकरी बदलने की पूरी संभावना है। विरोधी आपको कोई नुकसान नहीं पहुंचा पाएगें। छोटी मोटी बीमारियाँ लगी रहेंगी।

आप 01/05/2015 से 21/06/2015 तक बुध ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में बुध 9 भाव मे है। प्रभावशाली वाणी होने के कारण लोगों से आप अपनी बात मनवा लेते है। प्रसिद्ध व्यक्तियों के आप सम्पर्क में आयेंगे। आपकी ख्याति और प्रतिष्ठा सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। अपनी बुद्धिमत्ता के कारण आप प्रचुर लाभ पायेंगे। अपने व्यवसाय में आप अच्छा काम करेंगे। यात्रा से निश्चित लाभ प्राप्त करेंगे।

आप 22/06/2015 से 13/07/2015 तक केतु ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में केतु 2 भाव मे है। गन्दी भाषा बोलने के कारण अपने लोगों से भी अपकी दुश्मनी होने की संभावना है। इसलिये आपको अपनी वाणी पर पूरा नियंत्रण रखना चाहिए। खास तौर पर उन लोगों के प्रति जिनसे आपकी घनिष्टता है, नहीं तो गलतफहमी हो जायेगी और पैसे रुपये की हानि होने की संभावना है। अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ आपको निर्वाह संबंधी मुश्किलें आयेंगी। इस अवधी में कोई नये उद्यम शुरु न करें। इसी माह में आपके व्याधिग्रस्त होने की संभावना है। आत्मविश्वास की कमी आपमें स्पष्ट परिलक्षित होगी यह अच्छा नहीं है। आत्मीय जन भी काफी दूर हो जायेंगे।

आप 14/07/2015 से 12/09/2015 तक शुक्र ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में शुक्र 8 भाव मे है। किसी बदनामी देने वाले कांड़ में फंसने के कारण आपकी प्रतिष्ठा पर आंच आयेगी। स्वास्थ्य के लिहाज से भी यह कोई अच्छा समय नहीं है। अचानक धन प्राप्ति की संभावना है। लेकिन साथ ही साथ खर्चे भी बढ़ेंगे। गुप्त और गूढ़ सुखों को भोगने वाली प्रवृति पर अंकुश लगायें नहीं तो बडी शर्मनाक स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। वैसे परिवारजन का सहयोग पूरा रहेगा। यद्यपि कभी कभी मतभेद भी रह सकता है। जहां तक संभव हो यात्राएँ न करें।

आप 13/09/2015 से 30/09/2015 तक रवि ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में रवि 8 भाव मे है। अचानक समस्यायें खड़ी हो सकती हैं। संबंधियो से व्यवहार अच्छा रखें। नहीं तो बेवजह झगड़े होंगे। स्वास्थ्य का ख्याल रखें। लम्बी अवधि के लिये बीमार रहने की आशंका रहेगी। अनैतिक कार्यो में प्रवृत न होवें तथा संदेहास्पद सौदों से बचें।

ANIL

वर्षफल : 2014

महत्वपूर्ण कागजों पर दस्तखत करने से पहले कागज अच्छी तरह पढे।

आप 01/10/2015 से 13/10/2015 तक चंद्र ग्रह की वर्ष दशा में है। वर्ष लग्न में चंद्र 4 भाव मे है। यह बहुत अच्छा समय है। आप सुखी और विलासपूर्ण जीवन व्यतीत करेंगे। विलास सामग्री पर भी खर्च करेंगे। माँ बाप से संबंध बहुत मधुर रहेंगे। अगर नौकरी कर रहे हैं तो पदोन्नति प्राप्त करेंगे। शत्रुओं पर विजय पायेंगे। आमदनी में वृद्धि होगी।